हरिभूमि
महेन्द्रगढ़-नारनौल भूमि
रोहतक, सोमवार 2 मार्च 2026

9 नृत्य संगीत व लोक कलाएं संस्कारवान बनने के...

10 पीड़ित का आरोप : अवैध खनन का विरोध करने...

होली को लेकर बच्चों से लेकर महिलाओं तक में खासा क्रेज

होली पर्व पर रंगों के बाजार में 'आई बहार', ग्राहकों में दिखा उत्साह
आजाद चौक से बस स्टैंड रोड तक सजी रंग-गुलाल की दुकानें

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौल

नारनौल। आजाद चौक में दुकानदार राजेश गोयल से रंग खरीदते लोग व बस स्टैंड रोड पर रेहड़ी लगाकर रंग बेचते हुए। फोटो : हरिभूमि

रंगों के पावन पर्व होली को लेकर शहर के बाजारों में इन दिनों खासा उत्साह देखने को मिल रहा है। होली नजदीक आते ही नारनौल शहर के प्रमुख बाजार रंग-गुलाल, पिचकारी और तरह-तरह के आकर्षक सामान से सज गए हैं। बच्चों, युवाओं और महिलाओं की भीड़ बाजारों में उमड़ रही है। हर कोई अपने अंदाज में होली को यादगार बनाने की तैयारी में जुटा है।

शहर के आजाद चौक, महावीर मार्ग, बस स्टैंड रोड समेत कई स्थानों पर रंगों की अस्थायी और स्थायी दुकानें सजी हुई हैं। फुटपाथों पर रेहड़ी लगाकर भी लोग रंग और पिचकारियां बेच रहे हैं। बाजारों में प्रवेश करते ही चारों ओर रंगों की बहार नजर आती है। लाल, गुलाबी, हरा, पीला और नीला गुलाल ग्राहकों को अपनी ओर आकर्षित कर रहा है। बच्चों में इस बार नई डिजाइनों की पिचकारियों का खासा क्रेज देखने को मिल रहा है। आजाद चौक के दुकानदार राजेश गोयल ने बताया कि इस बार बाजार में पारंपरिक पिचकारियों के साथ-साथ कई आधुनिक और आकर्षक विकल्प उपलब्ध हैं। हथोड़ा, फूल झाड़ू, गदा डिजाइन की पिचकारियां बच्चों को खूब पसंद आ रही हैं। इसके अलावा इलेक्ट्रिक पिचकारी, टैंक पिचकारी और पीठू पिचकारी की भी जमकर बिक्री हो रही है।

युवाओं में ऑटोमेटिक गुब्बारे और गुलाल स्प्रे की मांग बढ़ी है। वहीं, छोटे बच्चों के लिए कार्टून चेहरे वाली पिचकारियां और मास्क भी आकर्षण का केंद्र बने हुए हैं। बाजार में गुलाल सिलेंडर और बॉल रंग भी उपलब्ध हैं, जिन्हें युवा वर्ग खूब पसंद कर रहा है। दुकानदारों के अनुसार इस बार हर्बल गुलाल की मांग में भी वृद्धि हुई है। लोग त्वचा को सुरक्षित रखने के लिए प्राकृतिक रंगों को प्राथमिकता दे रहे हैं। महिलाएं भी होली की खरीदारी में पीछे नहीं हैं। वे घर-परिवार के लिए गुलाल, रंग और अन्य सजावटी सामान खरीद रही हैं। कई स्थानों पर थोक और खुदरा दोनों स्तर पर बिक्री हो रही है। दुकानदारों का कहना है कि पिछले कुछ दिनों से बिक्री में लगातार तेजी आई है और त्योहार नजदीक आने के साथ-साथ ग्राहकों की संख्या और बढ़ने की उम्मीद है।

फुटपाथ पर रेहड़ी लगाकर रंग बेच रहे विक्रेताओं के चेहरे पर भी रौनक दिखाई दे रही है। उनका कहना है कि होली का यह सीजन उनके लिए साल का सबसे महत्वपूर्ण समय होता है। अच्छी बिक्री से उन्हें आर्थिक मजबूती मिलती है।

हालांकि बाजारों में भीड़ बढ़ने के साथ-साथ सुरक्षा और स्वच्छता को लेकर भी सजगता बरती जा रही है। लोग खरीदारी के दौरान गुणवत्ता और सुरक्षित उत्पादों को प्राथमिकता दे रहे हैं। प्रशासन की ओर से भी मिलावटी या हानिकारक रंगों की बिक्री पर नजर रखी जा रही है। कुल मिलाकर नारनौल शहर में होली का उत्साह पूरे चरम पर है। रंगों से सजे बाजार और ग्राहकों की चहल-पहल ने त्योहार के आगमन का संदेश दे दिया है। आने वाले दिनों में यह रौनक और बढ़ने की उम्मीद है, पूरा शहर रंगों की मस्ती में सराबोर नजर आएगा।

आकर्षक डिजाइन सामान के रेट

हथोड़ा	150-200 रुपये
गदा	100-150 रुपये
इलेक्ट्रीक पिचकारी	400-1000 रुपये
गुलाल सिलेंडर	800-1000 रुपये
ऑटोमेटिक गुब्बारा	60 रुपये पैकेट
गुलाल स्प्रे	100-200 रुपये
चेहरा/मास्क	40-50 रुपये
बॉल रंग	100 रुपये
पिचकारी	20-100 रुपये
हर्बल गुलाल	100-300 रुपये
गुलाल	150-800 रुपये
पाउच	10, 20, 30, 40 व 50 रुपये

खबर संक्षेप

नांगल चौधरी में होलिका दहन कल

नांगल चौधरी। शास्त्रों वर्णित पंचाग के अनुसार नांगल चौधरी में तीन मार्च की सुबह 5:40 बजे होलिका दहन होगा। इसके बाद चार मार्च को धुलंडी कार्यक्रम होगा। जिसमें सभी समुदायों के लोगों एकजुट होकर रंग गुलाल लगाएंगे। डॉ. ललित मोहन जोशी ने बताया कि दो मार्च की सुबह नौ बजे से शाम पांच बजे तक होलिका पूजन कार्यक्रम होगा। इसके बाद भद्राकाल शुरू होने के कारण होलिका दहन संभव नहीं है। तीन मार्च की सुबह 5:40 बजे सदियों से निर्धारित स्थान पर होली दहन किया जाएगा।

मालड़ा गांव में वार्षिक मेला चार मार्च को

महेंद्रगढ़। गांव मालड़ा में बाबा सदाराम का वार्षिक मेला चार मार्च को धूमधाम से लगेगा। मेले में नेशनल ओपन कबड्डी, 52 किलो भार वर्ग व वालीबॉल समेसिंग के खेल तीन मार्च से शुरू होंगे। अन्य खेल जैसे लड़के लड़कियों व 60 वर्ष से अधिक उम्र के बुजुर्गों की दौड़, ओपन व लड़कियों की कुश्तियां होंगी। मेले में गांव के 10वीं व 12वीं में उत्तीर्ण छात्र छात्राओं को सम्मानित करेंगे व भंडारा 10 बजे शुरू होगा।

भाजपा ने की प्रशिक्षण की तैयारियों के लिए बैठक

मंडी अटेली। स्वास्थ्य मंत्री कार्यालय में 14 मार्च को आयोजित होने वाले मंडल स्तरीय पंडित दीनदयाल उपाध्याय महाप्रशिक्षण अभियान को लेकर एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में बताया गया कि यह प्रशिक्षण अभियान केवल एक संगठनात्मक कार्यक्रम नहीं, बल्कि वैचारिक सशक्तिकरण का महाअभियान है।

पाइप लाइनों से बेगपुर तालाबों तक ले जाएगा बरसाती पानी

सिंचाई विभाग की 1.20 करोड़ की योजना नावदी-रामपुरा के खेतों को मिलेगी राहत

मानसून के सीजन में हर साल इस समस्या से किसानों को जूझना पड़ता है और उनकी बाजरा, मूंग, कपास और अन्य खरीफ फसलें सबसे अधिक प्रभावित होती हैं

राजकुमार ▶▶ नारनौल

नारनौल। नावदी की नहर। फोटो : हरिभूमि

जिले के राजस्थान सीमा से सटे गांव नावदी-रामपुरा के किसानों के लिए राहत भरी पहल सामने आई है। हर वर्ष बरसात के मौसम में राजस्थान की सीमा से लगते विजय नगर की पहाड़ियों से तेज बहाव के साथ आने वाला बरसाती पानी इन गांवों के खेतों में घुस जाता है। भारी वर्षा के दौरान यह पानी इतनी तेजी से आता है कि खड़ी फसलें देखते ही देखते तबाह हो जाती हैं। अब इस समस्या के स्थायी समाधान के लिए सिंचाई विभाग ने ठोस योजना तैयार की है।

गौर हो कि राजस्थान के पड़ोसी गांव विजय नगर की पहाड़ियों से प्राकृतिक ढलान के कारण बरसाती पानी नीचे की ओर तेजी से बहता हुआ नावदी-रामपुरा क्षेत्र में पहुंचता है। जल निकासी की समुचित व्यवस्था नहीं होने से यह पानी सीधे खेतों में फैल जाता है। नावदी में अटेली डिस्ट्रीब्यूटरी बनी है, जिसके पुल के नीचे से जब से पानी नहर के दूसरी साइड बहता है, तब पानी का घनत्व और भी बढ़ जाता है तथा तेजी से पानी पुल के नीचे से निकलने पर आसपास के खेतों में भारी नुकसान पहुंचाता है। खड़ी फसलें बह जाती हैं तथा मिट्टी कटाव होने से खेत के खेत बर्बाद हो जाते हैं। मानसून के सीजन में हर साल इस समस्या से किसानों को जूझना पड़ता है और उनकी बाजरा, मूंग, कपास और अन्य खरीफ फसलें सबसे अधिक प्रभावित होती हैं। कई बार पानी कई दिनों तक खेतों में जमा रहता है, जिससे किसानों को भारी आर्थिक नुकसान उठाना पड़ता है। स

थानीय किसानों द्वारा वर्षों से प्रशासन से मांग की जा रही थी कि इस बरसाती पानी को नियंत्रित करने के लिए स्थायी प्रबंध किए जाएं। अस्थायी तौर पर मिट्टी के कटाव या रास्ता बदलने जैसे उपाय किए गए, लेकिन तेज बारिश के सामने वे टिक नहीं पाए।

दो तालाबों के निर्माण की योजना

सिंचाई विभाग ने अटेली डिस्ट्रीब्यूटरी पर एक विशेष जल प्रबंधन योजना लागू करने का निर्णय लिया है। इस योजना के तहत नावदी में जो नहरी पुल बना हुआ है, वहां पर 20 गुणा 10 फुट एक पक्की होदी बनाई जाएगी। इस होदी के अलावा उसी नहर पर लगभग 18.500 मीटर दूरी पर जल भराव का एक और इंतजाम किया जाएगा तथा इन दोनों ही जगह को पाइप लाइनों से बेगपुर में करीब 3 एकड़ में बने तालाब से जोड़ा जाएगा। एक बड़ा तालाब और उसके बाद एक छोटा तालाब। फिलहाल 3 एकड़ में जो मौके पर तालाब बना है, उसे 7 एकड़ तक विस्तृत किया जाएगा। इन दोनों तालाबों का उद्देश्य बरसाती पानी को नियंत्रित तरीके से संग्रहित करना और उसे उपयोगी संसाधन में बदलना है। पूरी योजना पर अनुमानित 1.20 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। विभागीय अधिकारियों के अनुसार, तकनीकी सर्वेक्षण पूरा कर लिया गया है और कार्य जल्द शुरू किए जाने की संभावना है।

अतिरिक्त पानी के लिए अलग निकासी व्यवस्था

यदि पहला बड़ा तालाब पूरी तरह भर जाता है, तो अतिरिक्त पानी की निकासी के लिए एक और पाइपलाइन छोटे तालाब तक डाली जाएगी। इससे पानी का दबाव कम होगा और अनियंत्रित बहाव की स्थिति पैदा नहीं होगी। इस दो-स्तरीय व्यवस्था से पानी को क्रमबद्ध तरीके से संग्रहित किया जा सकेगा। यह प्रणाली न केवल जलभराव की समस्या को कम करेगी, बल्कि बारिश के पानी को संरक्षित करने की दिशा में भी महत्वपूर्ण कदम साबित होगी।

किसानों और मवेशियों को मिलेगा लाभ

इन दोनों तालाबों में एकत्रित पानी का उपयोग बहुउद्देश्यीय होगा। गांव के मवेशियों एवं जंगली जीव-जंतुओं के पीने के लिए पानी की स्थायी व्यवस्था बनेगी। किसान इस संग्रहित पानी का उपयोग फसलों की सिंचाई के लिए भी कर सकेंगे। इससे भूजल पर निर्भरता कम होगी और सिंचाई के लिए वैकल्पिक स्रोत उपलब्ध होगा। इन तालाबों में लंबे समय तक पानी रहने से आसपास के क्षेत्र में भूजल स्तर भी सुधर सकता है। इससे ट्यूबवेल और कुओं को भी अप्रत्यक्ष लाभ मिलेगा।

किसानों में जगी नई उम्मीद

नावदी-रामपुरा और आसपास के गांवों के किसानों ने इस योजना का स्वागत किया है। उनका कहना है कि वर्षों से चली आ रही समस्या का यदि स्थायी समाधान हो जाता है, तो खेती में स्थिरता आएगी और आर्थिक नुकसान से राहत मिलेगी। कुल मिलाकर यह जल प्रबंधन योजना क्षेत्र के लिए गेम चेंजर साबित हो सकती है। बरसाती पानी, जो अब तक तबाही का कारण बनता रहा है, भविष्य में किसानों के लिए उपयोगी संसाधन बन सकता है। अब सबकी नजर इस बात पर है कि निर्माण कार्य कितनी तेजी और गुणवत्ता के साथ पूरा किया जाता है, ताकि आने वाले बरसात के मौसम में इसका लाभ जमीन पर दिखाई दे सके।

यह कहते हैं अधिकारी

बरसात के सीजन में हर साल विजय नगर की तरफ से पहाड़ियों का पानी नावदी रामपुरा के खेतों में भर जाता है और नहरी पुल से निकलते वक्त भारी तबाही मचाता है। इससे किसान बड़े परेशान हैं। इसी कारण यह योजना तैयार की गई है। यह योजना पूर्ण होने पर किसानों को बड़ा फायदा होगा।

-राजेश वर्मा, एसडीओ सिंचाई विभाग, नारनौल

नारनौल। एसडीएम अनिरुद्ध यादव को ज्ञापन सौंपते हुए। फोटो : हरिभूमि

दस माह से बंद पड़े रजिस्ट्रेशन पोर्टल को लेकर मजदूरों में रोष

नारनौल। भवन निर्माण कारीगर मजदूर यूनियन ने अपनी जवलंत समस्याओं के समाधान के लिए श्रम मंत्री के नाम एसडीएम अनिरुद्ध यादव को एक ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन भेजकर यूनियन ने मांग की है कि भवन निर्माण से जुड़े मजदूरों की पंजीकरण की प्रक्रिया को सरल किया जाए। कामरेड बलबीर सिंह यादव ने मांग की है कि मजदूरों के रजिस्ट्रेशन के लिए 10 महीने से बंद पड़े पोर्टल को तुरंत खोला जाए। मजदूरों की मजदूरी करने वालों पर तुरंत कड़ी कार्रवाई की जाए। चार लेबर कोड हटाया जाए। रजिस्ट्रेशन के लिए फैमिली आईडी की शर्त को हटाया जाए। 90 दिन की वर्क स्लिप की परमिशन यूनियन प्रधान को दी जाए। मजदूरी की उम्र 60 साल के बाद वृद्धावस्था पेंशन के अलावा श्रम विभाग से भी पेंशन दी जाए। मनरेगा मजदूरों को कम से कम साल में 200 दिन काम और 800 प्रतिदिन मजदूरी दी जाए। महंगाई पर रोक लगाई जाए। बिजली बिल 2025 वापस लिया जाए। मौके पर सीताराम प्रधान, महावीर गोद, यादराम व रतिराम आदि मौजूद रहे।

सड़क हादसे में बाइक सवार युवक की मौत

नारनौल। नेशनल हाईवे नंबर 11 पर अज्ञात वाहन द्वारा टक्कर मार देने से बाइक सवार एक युवक की मौत हो गई। सूचना मिलने के बाद अस्पताल में पहुंची पुलिस ने मृतक का नागरिक अस्पताल से पोस्टमार्टम करवा शव परिजनों को सौंप दिया। बजाड़ निवासी करीब 22 वर्षीय नवनीत कुमार बीती देर शाम करीब 8 बजे अपाची बाइक पर सवार होकर अपने दोस्त अमित निवासी पटीकरा से मिलने जा रहा था। जब वह एनएच 11 पर गांव सराय बहादुर नगर के पास पहुंचा तो तेज गति और लापरवाही से आ रहे अज्ञात वाहन ने उसकी बाइक को टक्कर मार दी। परिजन मौके पर पहुंचे और गंभीर रूप से घायल नवनीत को तुरंत सरकारी अस्पताल नारनौल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मृतक के चाचा राकेश कुमार ने पुलिस को लिखित शिकायत दी। पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता के तहत अज्ञात वाहन चालक पर केस दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी।

7 मार्च तक कर सकते हैं दावे व आपत्तियां

कनीना नगर पालिका के 14 वार्डों की मतदाता सूची का प्रारंभिक प्रकाशन

- 27 मार्च को होगा सूची का अंतिम प्रकाशन, अप्रैल माह में हो सकते हैं उप चुनाव

हरिभूमि न्यूज ▶▶ कनीना

हरियाणा राज्य निर्वाचन आयोग की ओर से जारी निर्देशानुसार पुनरीक्षण प्राधिकारी कनीना एवं एसडीएम डॉ. जितेंद्र सिंह अहलावत ने नगर पालिका के सभी 14 वार्डों की मतदाता सूची का प्रारंभिक प्रकाशन कर दिया है। हरियाणा नगर पालिका निर्वाचन नियमावली 1978 के नियम 4 (3) के अनुसार जिला प्रशासन की ओर से निर्धारित किए गए विभिन्न स्थानों पर दावे व आपत्ति कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि मतदाता सूची का निःशुल्क निरीक्षण उपायुक्त कार्यालय, एसडीएम कार्यालय कनीना, नया भवन नगर पालिका कार्यालय व सभी स्थापित मतदाता सूचना व संग्रह केंद्रों में कर सकते हैं।

बता दें कि नगर पालिका कनीना के वार्ड 14 के उप चुनाव को लेकर चुनाव आयोग की ओर से तैयारियां की जा रही हैं। सालभर पूर्व सम्पन्न हुए नपा चुनाव के दौरान वार्ड 14 से राजेंद्र सिंह लोढ़ा पार्षद चुने गए थे। जिनका बीते दिसंबर माह में रेवाड़ी के समीप घटित सड़क हादसे में निधन हो गया था। वार्ड के उपचुनाव को लेकर स्टेट इलेक्शन कमीशन हरियाणा की ओर से 16 फरवरी को जारी किए गए नोटिफिकेशन के मुताबिक प्रदेश की नगर पालिका कनीना, टोहाना, झज्जर, राजौंद, तरावडी, साढौरा की फोटोयुक्त मतदाता सूची अपडेट करने का कार्य शुरू किया गया था। इसके बाद 27 फरवरी तक मतदाता सूची अपडेट करने के बाद 28 फरवरी से सात मार्च तक रिवाइजिंग अथॉरिटी उपमंडलाधीश कार्यालय में वार्ड वाइज दावे एवं आपत्ति दाखिल किए जा सकेंगे। जिनका 12 मार्च को निपटान किया जाएगा। इसके बाद 16 मार्च को जिला निर्वाचन अधिकारी कार्यालय में अपील होने की सूरत में उनका 19 मार्च को निष्पादन किया जाएगा। वहीं 27 मार्च को मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन होगा। अप्रैल माह में उप चुनाव होने की संभावना है।

नपा चुनाव के समय थे 10413 मतदाता

एसडीएम डॉ. जितेंद्र सिंह अहलावत ने बताया कि मार्च 2024 में हुए नपा चुनाव में चेयरमैन पद के लिए पहली बार सीधा चुनाव हुआ था। यह पद सामान्य श्रेणी की महिला के लिए आरक्षित किया गया था। जिसमें 10413 मतदाताओं ने प्रधान व पार्षदों का चयन किया। वहीं छह जनवरी 2025 को अंतिम तिथि मानकर तैयार की गई मतदाता सूची के मुताबिक 14 वार्डों में कुल 10413 मतदाता हैं। वार्ड एक में 648, दो में 877, तीन में 869, चार में 658, पांच में 794, छह में 687, सात में 797, आठ में 798, नौ में 727, वार्ड 10 में 664, 11 में 663, 12 में 813, वार्ड 13 में 770 तथा वार्ड नंबर 14 में 649 मतदाता हैं।

सीईटी पास बिजली कर्मियों को पक्का करने की मांग

नारनौल। करीब 15 सालों से बिजली निगम में कच्चे कर्मचारी के रूप में सेवा दे रहे कर्मियों द्वारा सीईटी की परीक्षा पास करने उपरांत भी हरियाणा सरकार द्वारा उन्हें पक्का कर्मचारी घोषित नहीं करने पर नारनौल के रिटायर्ड कनिष्ठ अभियंता सुखचैन सिंह ने रोष प्रकट किया है। उनका मानना है कि कच्चे कर्मचारियों पर सरकार को उदार रहना चाहिए। कच्चे कर्मचारियों के कल्याण के लिए सरकार को नियम बनाकर सुविधा देने की व्यवस्था करनी चाहिए। जिन्होंने सीईटी एग्जाम पास कर लिया है, 14–15 साल से बिजली निगम में जोखिम भरी नौकरी कर रहे हैं, उनको पक्का करना चाहिए। उन्होंने कहा कि जब इंटरव्यू पास कर्मचारी 4000 रुपये पेमेंट में लगी जोखिम भरी नौकरी छोड़कर चले गए थे, तबसे यह गरीब, मेहनती, मजदूर तबका अपनी मेहनत के बल पर जोखिम भरा काम कर रहा है। बिजली निगम एवं सरकार को इन कच्चे कर्मचारियों के प्रति उदार रवैया अपनाना चाहिए और उन्हें पक्का करना चाहिए।

श्रीगौड़ ब्राह्मण सभा के होली मिलन समारोह में किया सम्मानित

मेजर जनरल अरविंद यादव का नागरिक अभिनंदन, राष्ट्रपति से मिलेगा विशेष सम्मान

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौल

नारनौल। मेजर जनरल अरविंद यादव का नागरिक अभिनंदन करते हुए।

श्रीगौड़ ब्राह्मण सभा की ओर से आयोजित होली मिलन समारोह में मेजर जनरल अरविंद यादव का भव्य नागरिक अभिनंदन किया गया। समारोह में क्षेत्रभर से गणमान्य व्यक्तियों व विभिन्न सामाजिक संस्थाओं के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। मेजर जनरल अरविंद यादव को विश्रामगृह से खुली जीप में सभा स्थल तक लाया गया। मार्ग में शहर की एक दर्जन से अधिक संस्थाओं के पदाधिकारियों ने विभिन्न स्थानों पर फूलमालाओं से उनका स्वागत किया। कार्यक्रम में पूर्व विधायक राधेश्याम शर्मा मुख्य अतिथि थे। पूर्व मंत्री कैलाश शर्मा व नगर परिषद चेयरपर्सन कमलेश सैनी विशिष्ट अतिथि के रूप में मौजूद रही।

मुख्य अतिथि राधेश्याम शर्मा ने कहा कि जिले के नीरपुर निवासी स्वर्गीय जेएस राव के पुत्र मेजर जनरल अरविंद यादव को देश की राष्ट्रपति की ओर से विशेष सम्मान मिलना पूरे क्षेत्र के लिए गर्व का विषय है।

कमलेश सैनी ने युवाओं से आह्वान किया कि वे मेजर जनरल अरविंद यादव से प्रेरणा लेकर परिश्रम व समर्पण के बल पर उच्च लक्ष्य प्राप्त करें। मेजर जनरल अरविंद यादव ने सभा की ओर से सम्मान समारोह के लिए आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वे इस स्नेह और सम्मान को कभी नहीं भूल पाएंगे। पूर्व शिक्षामंत्री प्रो. रामबिलास शर्मा व विधायक ओमप्रकाश यादव की ओर से जनसंपर्क अधिकारी राजेश यादव ने मेजर जनरल अरविंद यादव को गुलदस्ता भेंट कर व शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया।

इन्होंने किया सम्मानित

कार्यक्रम में ब्राह्मण सभा नांगल चौधरी, ब्राह्मण सभा कनीना, ब्राह्मण सभा महेंद्रगढ़, यादव सभा नांगल चौधरी सहित अनेक सामाजिक संस्थाओं, नीरपुर ग्राम पंचायत एवं अन्य पंचायत प्रतिनिधियों ने भी उन्हें सम्मानित किया। विभिन्न स्कूलों के छात्र छात्राओं ने देशभक्ति व होली गीत प्रस्तुत कर वातावरण को भावविभोर कर दिया। सभा के प्रधान राकेश मेहता ने कहा कि मेजर जनरल अरविंद यादव ने इस उच्च पद पर पहुंचकर पूरे क्षेत्र का मान बढ़ाया है। कार्यक्रम में पूर्व डिप्टी स्पीकर संतोष यादव, गुरुग्राम न्यायालय के जिला न्यायाधवादी वीरेंद्र शर्मा, कोसली बार के प्रधान जयकिशन ढिल्लो, कांग्रेस नेता राव होशियार सिंह, भाजपा जिला उपाध्यक्ष वासुदेव यादव, महिला कांग्रेस जिला प्रधान राजवती यादव, नगर परिषद की पूर्व प्रधान भारती सैनी, व्यापारी नेता गोपाल शरण आदि मौजूद थे।

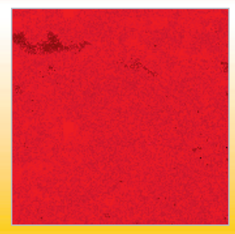

अबीर-गुलाल

अबीर-गुलाल हिंदू परंपरा में होली के त्यौहार और पूजा-पाठ में उपयोग किया जाने वाला एक रंगीन, सुगंधित और सूखा पाउडर है, जो मुख्य रूप से प्राकृतिक चीजों से बनता है। गुलाल आमतौर पर गुलाबी रंग से जुड़ा है, जबकि अबीर सुगंधित पाउडर होता है। इसे होली पर एक-दूसरे पर लगाने और देवताओं को चढ़ाने के लिए उपयोग किया जाता है। परंपरागत रूप से ऑर्गेनिक (100% प्राकृतिक) होता है, हालांकि अब केमिकल वाले विकल्प भी बाजार में हैं।

फागण के उल्लास का नाम है होली-धुलेंडी

होलिका दहन की प्रक्रिया जितनी आध्यात्मिक है, उतनी ही लोक-कला और श्रमसाध्य साधना से ओत-प्रोत भी है। फाल्गुन पूर्णिमा की दहकती अग्नि के शीतल होते ही उसकी राख के साथ उल्लास का एक अध्याय शुरू होता है जिसे दुनिया 'धुलंडी' या 'फाग' के नाम से जानती है। फाग केवल रंगों का खेल नहीं, बल्कि एक जीवंत लोक-अनुष्ठान है।

पर्व

दिनेश शर्मा 'दिनेश'

हरियाणा में होली केवल रंगों का त्योहार नहीं है, बल्कि यह वह संधि-काल है जहां सामाजिक जड़ता का अंत होता है और मानवीय रिश्तों की ऊष्मा का नया अध्याय शुरू होता है। यह महापर्व प्रतिवर्ष फाल्गुन मास की पूर्णिमा की उस मंगलकारी तिथि को मनाया जाता है, जब चंद्रमा अपनी पूर्ण सोलह कलाओं के साथ आकाश में उदित होकर धरती पर अमृत की वर्षा करता है और प्रकृति अपने बसंती यौवन के चरम पर होती है।

हरियाणवी लोक-जीवन में इस पावन उत्सव के पीछे वह कालजयी पौराणिक कथा छिपी है, जो युगों-युगों से अधर्म पर धर्म की विजय का उद्घोष कर रही है। यह कथा असुरराज हिरण्यकश्यप और उसके परम विष्णु-भक्त पुत्र प्रहलाद की है। हिरण्यकश्यप ने कठिन तपस्या के बल पर ब्रह्मा जी से 'अजेय' होने का ऐसा अनूठा वरदान पा लिया था, जिसने उसे मृत्यु के भय से मुक्त कर दिया था। वरदान के मद में चूर होकर उसने स्वयं को ही 'भगवान' घोषित कर दिया और अपनी प्रजा को विवश किया कि वे केवल उसी की पूजा करें। नियति का विधान देखिए कि उसके अपने ही महल में प्रहलाद के रूप में एक ऐसे पुत्र ने जन्म लिया, जो जन्म से ही 'नारायण-नारायण' की रट लगाए हुए था। प्रहलाद की यह अनन्य भक्ति हिरण्यकश्यप के अहंकार को सीधी चुनौती थी। पिता ने पुत्र के भीतर की इस दैवीय लौ को बुझाने के लिए क्रूरता की सारी सीमाएं पार की। कभी प्रहलाद को ऊंचे पहाड़ों से नीचे गहरी खाइयों में फिंकवाया गया, कभी मतवाले हाथियों के पैरों तले कुचलवाने का प्रयास हुआ तो कभी कालकोठरी में विषधर सर्पों के बीच छोड़ा गया। किंतु हर बार, उस नन्हे बालक की अडिग श्रद्धा और विश्वास के सामने हिरण्यकश्यप के कुटिल प्रहार निष्फल हो गए। अंततः, जब कोई उपाय न सूझा, तो हिरण्यकश्यप ने अपनी बहन होलिका का सहारा लिया। होलिका को यह वरदान प्राप्त था कि वह अग्नि में नहीं जल सकती और उसके पास एक ऐसी चमत्कारी चुनरी थी, जो अग्नि के ताप को सोख लेती थी। फाल्गुन पूर्णिमा के दिन, जब विशाल चिता सजाई गई और होलिका प्रहलाद को अपनी गोद में लेकर उस धधकती अग्नि के बीच जा बैठी, तो एक दैवीय चमत्कार हुआ। वह वरदानी चुनरी होलिका के शरीर से उड़कर बालक प्रहलाद पर जा लिपटी। छल और अधर्म की प्रतीक होलिका उसी क्षण भस्म हो गई, जबकि अखंड विश्वास और सत्य के प्रतीक प्रहलाद अग्नि की लपटों के बीच से मुस्कुराते हुए सुरक्षित बाहर आए।

होलिका दहन की प्रक्रिया जितनी आध्यात्मिक है, उतनी ही लोक-कला और श्रमसाध्य साधना से ओत-प्रोत भी है। पूर्णिमा से कई सप्ताह पूर्व ही गांव के हर घर में 'बड़कुले' बनाने का काम एक पर्व की तरह शुरू हो जाता है। घर की महिलाएं और बच्चे गाय के गोबर से छोटे-छोटे छेद वाले गोल उपले, ढाल, तलवार, सूरज, चांद और कंघी के आकार के खिलौने बड़ी श्रद्धा से बनाते हैं। इन्हें 'बड़कुलों' के साथ मूंज की रस्सी में पिरोकर जो माला तैयार की जाती है, वह वास्तव में हरियाणा के 'पशुधन' और 'कृषि' के प्रति गहरी कृतज्ञता की प्रतीक है। पूजा के दिन हाथों में जल का लोटा, रोली, अक्षत, कच्चा सूत, गुड़ और बड़कुलों की माला लेकर गांव की महिलाएं समूह में पारंपरिक 'जकड़ियां' और मंगल गीत गाती हुई होलिका स्थल पर पहुंचती हैं। इन लोकगीतों में भक्त प्रह्लाद की कथा का वर्णन प्रभावित करता है....

गोदी के अंदर भगत राम राम रह्या टेर
जब तै चरचा सुणी थी हर की, राम नाम की लगी लगन
समझाया था एक न मानी दरसन की थी लगी लगन

होली के लोकगीतों में जनसाधारण का ऐतिहासिक ज्ञान और भक्तिभाव भी दिखाई पड़ता है .....

लिछमन कै बाण लगा रै सक्ती लिछमन कै।
ऐसा रै होय कोई बीरा नै जिवाले,
आधा राज सवाई धरती, लिछमन कै।
कै तो जिवाले सीता रै सतवंती,
कै तो जिवाले हनुमान जती, लिछमन कै।

महिलाएं पूजा करने से पहले कच्चे सूत के धागे से होलिका के सात फेरे लेती हैं, जो सामाजिक और पारिवारिक सुरक्षा कवच के प्रतीक हैं। पूजा के अंत में, वे अपने बनाए हुए 'बड़कुले' उस ढेर पर चढ़ा देती हैं। लोक-मान्यता है कि ये बड़कुले साल भर की 'नजर' और बीमारियों को अपने भीतर सोख लेते हैं और दहन के समय उन्हें सदा के लिए भस्म कर देते हैं। जैसे-जैसे पूर्णिमा की रात गहराती है, हरियाणा की गलियों में हुड़दंग और उल्लास का शोर अपनी सीमाओं को लांघने लगता है। जब गांव के पुरोहित और बड़े-बुजुर्ग शुभ मुहूर्त में अग्नि प्रज्ज्वलित करते हैं, तो पूरा आकाश 'होली मैया की जय' और 'भक्त प्रहलाद की जय' के उद्घोष से गूंज उठता है। इस अग्नि के घेरे में ग्रामीण अपनी नई फसल विशेषकर जौ और गेहूं की अधपकी बालियों को लंबी लकड़ियों में फंसाकर पवित्र ज्वाला में सेंकते हैं, जिसे हरियाणा की ठेठ बोली में 'हौले सेंकना' कहा जाता है। इन भुने हुए दानों को 'प्रसाद' के रूप में एक-दूसरे को बांटना प्रदेश की उस 'साझा संस्कृति' का अनूठा उदाहरण है, जहां अपनी पहली फसल का स्वाद चखने से पहले पूरे गांव का मुंह मीठा कराया जाता है। फाल्गुन पूर्णिमा की दहकती अग्नि के शीतल होते ही उसकी राख के साथ उल्लास का एक अध्याय शुरू होता है जिसे दुनिया 'धुलंडी' या 'फाग' के नाम से जानती है। फाग केवल रंगों का खेल नहीं, बल्कि एक जीवंत लोक-अनुष्ठान है, जहां समाज की ऊंच-नीच, उम्र का फासला और हर प्रकार का संकोच हवाओं में उड़ते गुलाल में मिलकर एकाकार हो जाता है। फाग की सबसे विशेष और रोमांचक पहचान है 'कोरड़ा मार होली'। यह परंपरा देवर और भाभी के उस पवित्र और ठिठोली भरे रिश्ते का चरमोत्कर्ष है, जो हरियाणवी लोक-जीवन की आत्मा है। इस दिन महिलाएं किसी शक्ति-पुंज की तरह उभरती हैं। भाभियां अपने दुपट्टों या कपड़ों को पानी में भिगोकर उससे 'कोरड़ा' बनाती हैं। दूसरी ओर, देवर और गांव के पुरुष रंगों और पानी की बौछारों के साथ उन पर धावा बोलते हैं। यह एक ऐसा दृश्य होता है जहां पौरुष का सामना नारी-शक्ति के उस 'कोरड़े' से होता है, जो प्रेम की मार का प्रतीक है। देवर अपने बचाव के लिए बाल्टियां भर-भर के रंग डालते हैं, लेकिन भाभी के कोरड़े की मार को हंसते-हंसते सहन करना ही उस दिन का सबसे बड़ा पौरुष माना जाता है। कुछ स्थानों पर तो यह उल्लास आनंद की पराकाष्ठा को प्राप्त करता है, जब फाग खेलते समय गोबर, कीचड़ और तेल

का प्रयोग भी धुलेंडी खेलते समय देवर-भाभियों द्वारा किया जाता है, लेकिन मनों में थोड़ा-सा भी दुराव नहीं होता। वास्तव में अगर सालभर में किसी के मन में किसी के प्रति कोई मालिन्य आ भी गया हो तो फाग खेलने के बाद दूर हो जाता है। जैसे-जैसे दोपहर चढ़ती है तो 'फाग' के गीतों की गर्जना आसमान को छूने लगती है। फागण के लोकगीत भी अद्भुत खुशी देते हैं और मस्ती का सृजन करते हैं। यह वह समय है, जब बच्चों और बड़ों के साथ-साथ बुजुर्गों से भी मजाक करते हुए गीत गाए जाते हैं...

काची अम्बली गदराई सामण मैं
बुड्ढी री लुगाई मस्ताई फागण मैं
कहियो री उस ससुर मेरे नै बिन घाली लेजा फागण मैं
कहियो री उस बहुए म्हारी नै चार बरस डट जावे

पीहर मैं फागण का मस्ती से भरा लोकगीत देखिए..

फागण के दिन चार री सजनी, फागण के दिन चार।
मध जोबन आया फागण मैं फागण बी आया
जोबन मैं झाल उठे सैं मेरे मन मैं
जिनका बार न पार री सजनी, फागण के दिन चार..

हरियाणा में फाग का यह हुड़दंग 'लूर' नृत्य के बिना अधूरा है। लूर नृत्य में महिलाएं दो पंक्तियों में खड़ी होकर प्रश्न-उत्तर की शैली में गीत गाती हैं। फाग के दौरान हरियाणा का खान-पान भी अपने विशेष रंग में होता है। घर-घर में 'गुझिया', 'शक्करपारे' और दूध-केसर की 'ठंडाई' का दौर चलता है। कई गांवों में आज भी 'सामूहिक भोज' की परंपरा है, जहां पूरा गांव एक जगह बैठकर भोजन करता है, जो सामाजिक समरसता का सबसे बड़ा उदाहरण है।

फाग के इस मदमस्त उल्लास में एक और महत्वपूर्ण पक्ष 'स्वांग' और 'रागनी' का है। शाम होते-होते जब रंगों का खेल थमता है, तो चौपालों पर रागनी की महफिलें सजती हैं। इन रागनियों में फाल्गुन की महिमा, वीरों की गाथाएं और हास्य-व्यंग्य की ऐसी बौछार होती है कि दिन भर की थकान कपूर की तरह उड़ जाती है। लोग नहा-धोकर, सफेद कुर्ता-पायजामा और खाकी खंडवा पहनकर एक-दूसरे के घर गले मिलने जाते हैं। असल में हरियाणा में होली और धुलंडी का यह पर्व केवल तिथि विशेष का आयोजन नहीं, बल्कि मानवीय संवेदनाओं और सामाजिक समरसता का महापर्व है। जहाँ होली की अग्नि व्यक्तिगत अहं और संचित कड़वाहटों को स्वाहा कर मन को सात्विक बनाती है, वहीं धुलंडी का हुड़दंग रिश्तों की मर्यादाओं को प्रेम और ठिठोली के नए रंगों से सींचता है। यह उत्सव प्रमाणित करता है कि हरियाणा की सांस्कृतिक आत्मा में जितनी कठोरता पौरुष की है, उतनी ही तरलता सामूहिक आनंद और अटूट भाईचारे की भी है।

कविता | **सविता गर्ग सावी**

फागण रंग रंगीला

फागण आया रंग रंगीला
रक्का पड़ रया भारी
हरियाणे मैं होली खेलन
आए कृष्ण मुरारी

कमर के ऊपर बांध के पटका
बंसी बीच फसाई
रूप अनोखा देखन आए
सारे लोग लुगाई
कट्ठी हो के सखियां नै फेर
घेर लिए गिरधारी
हरियाणे मैं होली खेलन
आए कृष्ण मुरारी

राधा रानी बन के जाटनी
ले के कोरडा आई
गिरधारी की खैर नहा व इब
सोच सोच मुसकाई
आज जगत के रखवाले पै
पड़ री जाटनी भारी
हरियाणे मैं होली खेलन
आए कृष्ण मुरारी।

कविता | **दलबीर सिंह फूल**

बाळक पण की होळी

छुट्या लहारसा खेलण का
ना खेलणिया की टोळी
याद भतेरी आवै सै मेरै
बाळक पण की होळी

कैंरा आळी लकड़ी का हम
डाण्डा काट्या करते
कट्ठे. होकै टाबर सारे
डाण्डा गाड्या करते
छड़ी भींटका ठावण तै फेर
ना कोय नाट्या करते
होळी ऊंच्ची चढावण नै हम
रात्यूं हाण्डया करते
नित नये सांग काढया करते
लेकै हाथ लठोळी
याद भतेरी आवै सै मेरै
बाळक पण की होळी

ईब देख इस होळी नै
आख्यां मैं खून उतरता
कोय पुरणी रंजीस हो
वो इस द्यन पूरी करता
कीचड़ गारया फैकण लागे
देख -देख मैं डरता
कोळी भरकै मिलै नही तो
कोन्या जी सा भरता
हाथ मिला कै दूर हटैं
बात हुई सब ओळी
याद भतेरी आवै सै मेरै
बाळक पण की होळी

haribhoomisahitya@gmail.com पर आप अपनी रचनाएं भेज सकते हैं।

हरियाणवी होली | **प्रदेश में यो त्योहार भाईचारा बढाण का अर मखौल (मजाक) करण का मौका सै**

बुऱा ना मानियो, रंग तो लागैगा

रंगों का त्योहार | फीचर डेस्क

राम-राम भाइयो और बहणो! आगी होली! हरियाणा की होली सिर्फ रंगों का त्यौहार कोन्या ये तो भाईचारा बढाण का और सबसे ज्यादा मखौल (मजाक) करण का मौका सै। हरयाणे में होली का मतलब है-चाहे कोई कितणा भी तगड़ा 'चौधरी' क्यूं न हो, आज तो वह 'बहुरूपिया' बनकर ही घर लौटेगा।

धोती-कुर्ता और पक्के रंग की जंग

होली के दिन सबसे पहले तो अलमारी में से वो 'सफेद कुर्ता-पजामा' या धोती निकाली जावे सै जो साल भर से 'कोमा' में थी। क्योंकि यो भाई हरयाणे में 'गुलाल' से होली कोन्या खेली जावे, इत्थे तो 'पक्का रंग' चाले सै-हरा नीला पीला... जो हफ्ता भर थारे चेहरे पे थारी 'पहचान' बणाए राखेगा।

बुरा न मानियो, सबसे बड़ा बहाना

गाम में टोली बण के निकड़े हैं युवा। कोई बाल्टी लेकर, कोई पिचकारी। गली में जो भी मिल गया समझो 'खत्म'। कोई आंटी-ताऊ अगर ना भी कहें तो भी पीछे से आवाज़ आवे सै—'अरे ताऊ बुरा न मानियो आज तो होली है!' और ताऊ भी क्या करें? मखौल में रंग लगवाना ही पड़े सै।

भाभी और देवर का 'फाग'

हरियाणवी होली में सबसे मजेद्गार सीन होवे सै जब भाभी-देवर का 'फाग' (होली के गीत) चले सै। देवर अपनी भाभी को हराने के लिए पूरा गाम छान मारता है। भाभी-देवर के मखौल में रंग और गुलाल की ऐसी बौछार होवे सै कि 'मेरा रंग जमा जा तू' के सुर गूंज उठें। इस दिन भाभी देवर को कोलड़े मारती है और देवर उससे बचाव के तरीके अपनाता है।

देसी होली का स्वैग

रंग खेलने के बाद की असली कहानी तो गुझिया और ढोकले (या घर की बनी रोटियां) के साथ चले सै। घर-घर जाकर रंग लगाना और फिर 'के हाल सै भाई?' कहकर गले मिलना ही असली हरियाणवी भाईचारा है।

वो खास रंगीले साथी

हर गाम में एक-दो ऐसे 'काका' या 'ताऊ' ज़रूर होते हैं, जो होली के सबसे बड़े शिकार होते हैं। वो गली के कौने में छुपे मिलेंगे, पर गाम के छोरे उन्हें ढूँढ ही लेंगे। 'आज तो संतोष भाभी का गुलाल लगा और चोट बड़ा पहचान भी कौन है!'- ये माहौल रहता है!

निष्कर्ष : होली का मतलब है पुराना वैर-भाव भूलकर रंगां में रंग जाणा। चाहे कितना ही कोई 'धोरा' (पास) आने से डरे पर हरयाणे की होली में 'रंग तो लागैगा मखौल तो होवैगा!'

तो उठाइए बाल्टी, मिलाइए पक्का रंग और कहिए- बुऱा न मानियो होली सै भाई!

चटपटे होली चुटकुले

पति-पत्नी की लट्ठमार होली

एक घर से रमन और उनकी पत्नी निशा के हंसने की बहुत आवाजें आती थीं। मोहल्ले के लोग खुशहाली का राज जानने पहुंचे।
रमन बोला- 'बहुत सरल है, हमारे यहां मेरी बीवी बेलन, चिमटा आदि फेंककर मारती है। हम लट्ठमार होली खेलते हैं! अगर मुझे लग जाता है तो वो हंसती है और नहीं लगता है तो मैं हंसता हूं।'

नाले में 'मेहबूबा'

योग स्वामी दामदेव को गाने का बड़ा शौक था। होली की मस्ती और भांग के रंग में वे गाते हुए जा रहे थे- 'मेहबूबा, मेहबूबा...'तभी छपाक से एक नाले में गिर गए!

अब उनकी कांपती हुई आवाज आई- 'मैं डूबा, मैं डूबा...!'

होली और नहाना

एक आदमी होली पर गाना गुनगुना रहा था- 'घर में नहीं है पानी तो होली कैसे मनाऊं रे!'

पड़ोसी ने सुना तो कहा- 'भाई, पानी हो न हो, होली तो मनानी ही चाहिए। उधार लेकर ही सही, साल में कम से कम एक बार तो नहाना ही चाहिए!'

रंग की बाल्टी की दूरी

एक आदमी सड़क पर सफेद पट्टी रंगने का काम कर रहा था। पहले दिन उसने 6 मील पुताई की, दूसरे दिन 3 मील और तीसरे दिन सिर्फ 1 मील। ठेकेदार ने कारण पूछा तो उसने कहा- 'साहब, काम तो मैं जल्दी ही कर रहा हूं, पर हर अगले दिन मुझे बाल्टी तक वापस आने के लिए बहुत लंबी दूरी तय करनी पड़ती है!'

दारू छोड़ने का इरादा

एक शराबी बोला- 'आज होली है, सोच रहा हूं दारू छोड़ दूं... लेकिन किसके पास छोड़ूं? फेर कई देर सोचे पाछे बोल्या, सभी दोस्त साले कमीने हैं, होली के पहले ही पी जाएंगे!'

होली की दुल्हंडी : रंग, राड़ अर रसभरी ठिठोली

इंद्रधनुष | फीचर डेस्क

हरियाणा में होली के अगले दिन आवे सै दुल्हंडी (धुलेंडी)। यो दिन असल में रंगां की "फुल एंड फाइनल सेटलमेंट" सै। होलिका दहन की आग ठंडी हो जावे सै, पर गांव के छोऱ्यां की शरारतां की आग और तेज हो जावे सै। दुल्हंडी का मतलब साफ सै—आज कोई नहीं बचेगा, चाहे वो कित्ता ही बड़ा ज्ञानी, सयाणा या सीधा क्यों ना हो। सुबह-सुबह गांव में अजीब सी खामोशी दिखे सै, पर यो तूफान से पहले की शांति हो सै। छोरे पहले ही रात नै बाल्टियां भर के रख लें सै। किसी के घर के आगे ड्रम, कहीं टंकी, कहीं पाइप सीधे नल पे फिट।

जैसे ही पहला भोला-भाला आदमी गली में निकले, चारों तरफ से हमला—रंग, पानी, कीचड़, गुलाल! बेचारा समझे कि दूध लेने निकला था, पर वापस आवे सै तो पूरा "चलता-फिरता इंद्रधनुष" बन के।

दुल्हंडी में एक खास बात हो सै- आज "ना" का कोई मतलब ना हो। अगर कोई बोले, "भाई मैं रंग ना खेलूं," तो समझ लो उसके ऊपर स्पेशल पैकेज लागू हो गया। दो छोरे हाथ पकड़ें सै, तीसरा बाल्टी उड़ेल दे सै, चौथा फोटो खींच ले सै। फेर शाम नै वही फोटो पूरे गांव में घूमे सै।

गांव की ताई-चाची भी कम ना सै। जद छोरे ज्यादा उधम मचावें सै तो ताई बाल्टी ले के तैयार। बोले- "रुको, मैं बताऊं असली रंग के हो सै!" अर एक ही वार में सारे हीरो जमीन पे। बाद में वही ताई गुजिया खिलावै सै अर कहे- "बुरा मत मानियो, दुल्हंडी सै।"

दुल्हंडी का सबसे मजेदार सीन तो तब बने सै जद कोई नया दामाद पहली बार ससुराल आवे। बेचारा सोच के आवे सै कि इज्जत होगी, सत्कार होगा। पर यहां तो पहले से ही कमेटी बैठी हो सै—"आज जीजा की खैर ना।" जैसे ही जीजा बाहर निकले, रंग की बौछार। एक बार तो एक जीजा के जूते तक गुलाबी कर दिए। दो दिन बाद ऑफिस गया तो सहकर्मी पूछें—"सर, आप होली खेले थे या पेंट की दुकान में गिरे थे?"

दुल्हंडी में खाने-पीने का भी अलग ही सिस्टम सै। सुबह से ही घर-घर पकवान। पर छोरे इतने व्यस्त हों सै रंग में कि खाने का टाइम ही ना मिले। जद थक जावें सै, तब याद आवे सै कि पेट भी कोई चीज हो सै। गुजिया, दही-बड़े, मठरी सब ऐसे साफ हों सै जैसे गांव में टिड्डी दल आ गया हो।अर भाई, कुछ "खास" लोग भांग की ठंडाई भी पी लें सै। फेर दुल्हंडी के रंग में दर्शनशास्त्र शुरू हो जावे सै।

एक काका बोले- "रंग असल में जिंदगी का प्रतीक सै।" दूसरा जवाब दे- "पहले तू घर जा, तेरी घरवाली प्रतीक समझा देगी।" चौपाल में हंसी का फव्वारा फूट पड़े सै। पहले के टाइम में दुल्हंडी ज्यादा सादी अर ठेठ होती थी। टेसू के फूल उबाल के रंग बनावें सै, कीचड़ भी चलता सै। अब के टाइम में डीजे, स्पीकर, कलर स्प्रे अर सेल्फी स्टिक आ ली सै। पर असली मजा तो गांव की गलियां में ही सै-जहां हर कोई एक-दूजे के घर बिना बुलावे घुस जावे सै, अर बोले-"आज तो रंग लगाके ही मानूंगा।"

दुल्हंडी का असली मतलब राड़-झगड़ा ना, बल्कि दिल खोल के हंसणा सै। जो मन में गिला-शिकवा हो, रंग लगा के मिटा दो। एक-दूजे नै गले लगाओ अर कहो- "भाई, दुल्हंडी सै, भूल जा सारी बात।"

दुल्हंडी हरियाणा की वो परंपरा सै, जो सिखावै सै के जिंदगी में थोड़ा रंग, थोड़ी शरारत अर ढेर सारी हंसी जरूरी सै। बाकी अगर कोई ज्यादा रंग दे तो बुरा मत मानियो- दुल्हंडी सै!

शाम होते-होते सब थक के चूर हो जावें सै। कोई नाली में फिसल के आया हो सै, कोई बाल्टी से भीग के। पर चेहरे पे मुस्कान जरूर हो सै। कपड़े चाहे खराब हो जावें, पर यादां नईं धुलें सै।

तो भई, दुल्हंडी हरियाणा की वो परंपरा सै जो सिखावै सै कि जिंदगी में थोड़ा रंग, थोड़ी शरारत अर ढेर सारी हंसी जरूरी सै। बाकी अगर कोई ज्यादा रंग दे दे तो बुरा मत मानियो- दुल्हंडी सै!

खबर संक्षेप

पूर्व सरपंच हनुमान सिंह यादव का निधन

मंडी अटेली। अटेली क्षेत्र के गांव राजपुरा के 72 वर्षीय पूर्व सरपंच हनुमान सिंह यादव का ब्रेन हेमरेज के कारण निधन हो गया। वह एक सक्रिय सामाजिक कार्यकर्ता और प्रगतिशील किसान के रूप में जाने जाते थे। परिजनों के अनुसार वे रात को सामान्य रूप से सोए थे, लेकिन सुबह नहीं उठे। अचानक हुए उनके निधन से पूरे गांव में शोक की लहर दौड़ गई। अपने सरपंच कार्यकाल के दौरान हनुमान सिंह यादव ने गांव में अनेक विकास कार्य करवाए।

100 वर्षीय श्योकोरी देवी का निधन

नारनौल। गांव कोथल कलां निवासी श्रीमती श्योकोरी देवी धर्मपत्नी मातादीन का निधन हो गया। वह अपनी आयु का एक शतक पूरा करके स्वस्थ जीवन व्यतीत करती हुई भरापूरा परिवार छोड़कर इस संसार से विदा हो गई। पांचवीं पीढ़ी देखने वाले विरले ही व्यक्ति होते हैं, उनमें से एक श्योकोरी रही हैं। जिन्होंने अपनी पांचवीं पीढ़ी को देखा। इनके चार पुत्र, चार पुत्रियां, आठ पौत्र, आठ पौत्रियां, नौ प्रपौत्र, चार प्रपोत्रियां व एक सरपौत्री हैं। वह एक सामाजिक व धर्मपरायण महिला थी। इनका शांति यज्ञ 8 मार्च रविवार को होना निश्चित हुआ है।

माजरा खुर्द निवासी यादराम का आकस्मिक निधन

महेंद्रगढ़। गांव माजरा खुर्द निवासी एवं जिला मलेरिया कार्यालय रेवाड़ी में कार्यरत स्वास्थ्यकर्मी सुरेश कुमार के पिता यादराम का हृदय गति रुकने की वजह से आकस्मिक निधन हो गया। वे 87 वर्ष के थे। उनका अंतिम संस्कार उनके पैतृक गांव माजरा खुर्द में किया गया। वे अपने पीछे तीन पुत्र राजकुमार, अशोक मिस्त्री, सुरेश कुमार, चार पोता, पांच पोती, तीन पड पोता, एक पड पोती सहित भरा-पूरा परिवार छोड़कर प्रभु चरणों में विलीन हो गए। पन्नीलाल बैंक मैनेजर, पूर्व सरपंच भीम सिंह, महेंद्र, भागमल, धर्मवीर यूपी पुलिस सेवानिवृत्त, रामनिवास मैनेजर आदि अंतिम यात्रा में शामिल हुए और श्रद्धांजलि दी।

अरावली के 27 सैनिक स्कूल परीक्षा में सफल

महेंद्रगढ़। अरावली स्कूल के 27 छात्रों ने अखिल भारतीय सैनिक स्कूल परीक्षा उत्तीर्ण की। संस्था चेयरमैन अशोक कुमार ने बताया कि अरावली संस्था हर प्रतियोगिता परीक्षा में अच्छा परिणाम देने के लिए प्रयास करती है। यह परीक्षा परिणाम विद्यार्थियों की मेहनत व शिक्षकों के सही मार्गदर्शन व अभिभावकों के विश्वास का नतीजा है। स्कूल के सीईओ महेश कुमार ने छात्रों को प्रोत्साहित करते हुए प्रार्थना सभा में सभी शिक्षकों के साथ सम्मानित किया। मिडिया प्रभारी अमित कुमार ने बताया कि छात्रों की इस उपलब्धि पर स्कूल व आस-पास के क्षेत्र में खुशी का माहौल है। स्कूल के सभी अध्यापकों व छात्र-छात्राओं ने नाच-गाकर अपनी खुशी का इजहार किया।

फाल्गुन शुक्ला त्रयोदशी पर गूंजे राधे नाम के जयकारे

नारनौल। प्रभातफेरी संगठन के तत्वावधान में रविवार को 183वीं प्रभात फेरी मोहल्ला गुरुनानकपुरा से निकाली गई। होली के पावन अवसर पर आयोजित इस प्रभात फेरी के यजमान महेंद्र अग्रवाल पुरानी मंडी परिवार के सदस्यों ने पवित्र ज्योति प्रज्वलित की। फेरी में लोगों ने ढोल मर्दंग बजाते हुएए राधे राधे नाम का जाप किया। अलसुबह की प्रभात में ठाकुर जी व युगल सरकार की आरती करके सभी को गुलाल व चंदन तिलक लगाकर महिलाएं, बच्चे व पुरुष परिक्रमा में झूमते नाचते गाते हुए जब भक्तों की टोलियां जा रही थी।

यदुवंशी ग्रुप में आयोजित लोक कला उत्सव का समापन

नृत्य संगीत व लोक कलाएं संस्कारवान बनने के लिए प्रेरित करते हैं: कंवर सिंह

- शिक्षा के साथ-साथ अन्य गतिविधियों में भी अपनी भागीदारी सुनिश्चित करें विद्यार्थी

महेंद्रगढ़। दीप प्रज्जवलित कर शुभारंभ करते विधायक कंवर सिंह यादव। फोटो : हरिभूमि

हरिभूमि न्यूज ⏭ महेंद्रगढ़

रामायण के सार को समर्पित नित्य में रात नृत्य नाटिका ने लोक कला उत्सव के समापन अवसर पर अदभुत प्रस्तुति से दर्शकों को खूब रोमांचित किया। वहीं सारंगी बासुरी व तबले की राष्ट्र स्तर की जुगलबंदी ने माहौल को पूरी तरह संगीतमय बना दिया। इस अवसर पर विधायक कंवर सिंह यादव मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे, जबकि उत्तर मध्य क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र प्रयागराग के निदेशक सुदेश शर्मा विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित थे।

कार्यक्रम की अध्यक्षता पूर्व विधायक राव बहादूर सिंह ने की। जबकि संगीत नाटक एकेडमी चंडीगढ़ के वाइस चेयरमैन अमित गंगानी विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। उल्लेखनीय है कि 23 फरवरी से एक मार्च तक उत्तर मध्य क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र प्रयागराज व यदुवंशी ग्रुप महेंद्रगढ़ के तत्वाधान में लोक कलां विरासत उत्सव का आयोजन किया गया। उत्सव के दौरान नाटक लोक नृत्य, कवि सम्मेलन, शास्त्रीय गायन, शास्त्रीय वादन, नृत्य नाटिकाओं का मंचन अलग-अलग दिन किया गया। कार्यक्रम का सफल मंच संचालन राष्ट्रपति अवार्डी डा. धर्मेश कौशिक ने किया। कार्यक्रम के समापन अवसर पर विधायक कंवर सिंह यादव ने उपस्थिति को संबोधित करते हुए कहा कि नृत्य संगीत व लोक कलाएं हमारे जीवन को संस्कारवान बनाने के लिए प्रेरित करते है, जबकि विशिष्ट अतिथि निदेशक सुदेश शर्मा ने कहा कि हम सब मिलकर भारत की लोक विरासत को जीवत रखने में अपना-अपना सहयोग दें। हमारा अतीत सुंदर होगा तो वर्तमान एक उदाहरण के रूप में काम करेगा। लोक विरासत उत्सव के कार्डिनेटर अनिल कौशिक ने सभी का आभार व्यक्त किया तथा क्षेत्र के लोगों को आश्वस्त किया कि महेंद्रगढ़ की मरूभूमि पर सांस्कृतिक कार्यशाला व नाट्य उत्सवों का आयोजन शीघ्र किया जाएगा। राव बहादुर सिंह ने विद्यार्थियों को प्रेरित करते हुए कहा कि शिक्षा के साथ-साथ अन्य गतिविधियों में भी अपनी भागीदारी सुनिश्चित करें ताकि आपके व्यक्तित्व को सबलता मिल सके।

शास्त्रीय वादन ने जमाया रंग

लोक कला विरासत उत्सव के सातवें दिन पं. विनोद कुमार व साथी ने सारंगी, बांसुरी व तबले पर विभिन्न रागों का सुदंर चित्रण कर शास्त्रीय वादन की आकर्षक प्रस्तुतियां दी। प्रयागराज से आए इन कलारों ने राष्ट्रीय व अंतराष्ट्रीय स्तर पर अनेक बार अपने कार्यक्रमों की प्रस्तुतिया दी है।

नृत्य नाटिका ने बांधा समां

लोक कला विरासत उत्सव के समापन अवसर पर दिल्ली से आई विश्व की एंव उनकी टीम ने नृत्य में राम, नृत्य नाटिका के माध्यम से रामायण के एक-एक चरित्र पर शास्त्रीय नृत्य की कारियाग्राफी के द्वारा नृत्य एवं भावभंगीमाओं से दृश्कों को बार-बार तालिया बजाने पर मजबूर कर दिया। महिलाओं ने अपने नृत्य के माध्यम से खूब वाहवाही लूटी।

नारनौल। कार्यक्रम में उपस्थित विद्यार्थी। फोटो : हरिभूमि

सूरज स्कूल में धूमधाम से मनाया रंगोत्सव

नारनौल। सूरज स्कूल में होली के पावन अवसर पर सूरज रंगोत्सव आयोजित किया गया। इस रंगारंग कार्यक्रम में विद्यालय के डायरेक्टर संदीप प्रसाद, प्रिंसिपल रितु चहल, विद्यार्थी एवं अभिभावकों ने भाग लिया। कार्यक्रम की शुरुआत विद्यालय प्रांगण में सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के साथ हुई। विद्यार्थियों ने रंगों की थीम पर आधारित नृत्य प्रस्तुतियां देकर सभी का मन मोह लिया। विद्यालय को रंग-बिरंगी सजावट से सजाया गया था, जिससे पूरे परिसर में होली का उत्साह और उल्लास झलक रहा था। डायरेक्टर संदीप प्रसाद ने कहा कि होली प्रेम, सौहार्द और एकता का पर्व है, जो हमें आपसी मतभेद भुलाकर मिलजुल कर रहने का संदेश देता है। उन्होंने विद्यार्थियों को सुरक्षित और पर्यावरण के अनुकूल होली मनाने का संदेश भी दिया। प्रिंसिपल रितु चहल ने सभी विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं अभिभावकों को होली की शुभकामनाएं देते विद्यार्थियों को प्राकृतिक रंगों से सुरक्षित एवं पर्यावरण अनुकूल होली मनाने का संदेश दिया। विद्यार्थियों और अभिभावकों के चेहरों पर खुशी साफ झलक रही थी। पूरा विद्यालय परिवार रंगोत्सव के इस आयोजन से अत्यंत आनंदित नजर आया।

अग्रसेन चौक पर किया श्रीश्याम का जागरण

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौल

नारनौल। यजमान को स्मृति चिह्न भेंट करते हुए। फोटो : हरिभूमि

श्रीश्याम आस्था मंडल के तत्वावधान में शनिवार रात को मंजू देवी व राजेश तायल निवास स्थान अग्रसेन चौक पर जागरण किया गया। जिसके मुख्य यजमान मंजू देवी तायल व उनका परिवार रहा। कार्यक्रम की अध्यक्षता मंडल के प्रधान हरिओम गर्ग ने की। इस अवसर पर सुरेश सोनी ने बाबा का भव्य दरबार रंग बिरंगे फूलों व लाइटों से सजाया। मंडल प्रवक्ता हेमंत गुप्ता ने बताया कि आचार्य नितिन कौशिक ने यजमान राजेश तायल व रानी तायल से परिवार सहित बाबा की पवित्र ज्योति प्रज्वलित करवाई। गौरव म्यूजिकल ग्रुप के सुनील कुमार ने गणेश वंदना कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। गणेश वंदना के बाद धर्मपाल शर्मा ने खाटू के श्याम जी रखोंगे मेरी लाज, बबलू शर्मा ने की जो केसरी के लाल मेरा छोटा सा यह काम, मास्टर जिगर ने श्रृंगार तेरा बाबा कहो किसने सजाया है, संजय शर्मा ने कोई प्यार से मेरे श्याम को सजा ले गजब हो जाएगा, नितिन तिवारी ने कीर्तन की है रात बाबा आज थाने आनो है आदि भजन सुनाकर वातावरण श्याम में बना दिया। अंत में अनिल लक्खा ने बाबा का खजाना लुटाया।

ये रहे मौजूद

मौके पर नरेश जैन, मनोज वालिया, सुरेश सोनी, विनोद कुमार, ताराचंद तायल, मंजू देवी, पुनीत तायल, डॉ. नेहा तायल, घनश्याम दास मित्तल, मीना मित्तल, मनोज तायल, रामजीलाल मित्तल, रामगोपाल मित्तल, भारत तायल, नरेश तायल, टेकचंद तायल, रमेश तायल, आशीष सैनी, मनीष शर्मा, संतोष, निशा, अंजलि, रजनी मित्तल, रजत तायल, ओमप्रकाश तायल आदि मौजूद थे।

नारनौल। कार्यक्रम में मौजूद अतिथिगण व अन्य। फोटो : हरिभूमि

माय छोटा स्कूल नन्हे पंख कार्यक्रम आयोजित

नारनौल। माय छोटा स्कूल में आयोजित नन्हे पंख कार्यक्रम बड़े ही धूमधामसे संपन्न हुआ। कार्यक्रम का उद्देश्य बच्चों की प्रतिभा को मंच प्रदान करना और उनके आत्मविश्वास को बढ़ावा देना था। विद्यालय परिसर को आकर्षक सजावट से सजाया गया, जिससे कार्यक्रम का वातावरण अत्यंत मनमोहक बन गया। कार्यक्रम के दौरान बच्चों ने सुंदर-सुंदर सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी। नृत्य, गीत, कविता, देशभक्ति प्रस्तुतियां व लघु नाटिकाओं के माध्यम से बच्चों ने अपनी प्रतिभा का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। एएसडी एजुकेशन बोर्ड के सेक्रेटरी सतीश गर्ग मुख्य अतिथि थे। व्यापार मंडल के अध्यक्ष संजय गर्ग विशेष अतिथि रहे। मुख्य अतिथि व विशेष अतिथि ने दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। ऐसे सांस्कृतिक कार्यक्रम बच्चों के व्यक्तित्व विकास, आत्मविश्वास व नेतृत्व क्षमता को निखारने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। कार्यक्रम में माय छोटा स्कूल की प्राचार्या आचार्य डॉ. रेखा वर्मा व निदेशक दीपक वर्मा भी विशेष रूप से उपस्थित रहे। उन्होंने विद्यालय की उपलब्धियों की जानकारी दी। माय छोटा स्कूल के शिक्षकों व स्टाफ सदस्यों ने कार्यक्रम को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। अंत में विद्यालय परिवार की ओर से सभी अतिथियों, अभिभावकों का धन्यवाद किया।

जजपा ने की एससी सैल की नई कार्यकारिणी गठित

नारनौल। जननायक जनता पार्टी ने जिले में संगठन को धारदार बनाने के उद्देश्य से एससी सैल की जिला कार्यकारिणी का गठन करते हुए हलका प्रधानों की घोषणा की है। जिला प्रधान महेंद्र सिंह खन्ना पूर्व डिजीएम ने बताय कि यह निर्णय पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अजय सिंह चौटाला, पूर्व उपमुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला, प्रदेश अध्यक्ष ब्रिज शर्मा, प्रदेश प्रभारी एससी सैल पूर्व विधायक रमेश खटक, प्रदेश अध्यक्ष अधिवक्ता सुरेंद्र सिंह, जिला प्रभारी राकेश जाखड़, जिला प्रधान राजकुमार खातोद से विचार विमर्श के बाद लिया। जिला प्रधान ने कहा कि एससी समाज के अधिकारों के साथ किसी भी प्रकार का अन्याय अब बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि जेजेपी ही एकमात्र ऐसी पार्टी है, जो जमीन पर रहकर पिछड़े व वंचित समाज की लड़ाई लड़ रही है। जननायक चौधरी देवीलाल ने सर्वप्रथम सरकार बनने पर अनुसूचित जाति, पिछड़ा वर्ग की चौपाल, वृद्धावस्था मासिक पेंशन, कर्जा माफी जैसे एतिहासिक फैसले लिए।

नारनौल। नप चेयरपर्सन कमलेश सैनी को सम्मानित करते हुए। फोटो : हरिभूमि

दूसरों की सहायता के लिए हमेशा तैयार रहते थे उदयसिंह नेताजी

नारनौल। स्वर्गीय राव उदयसिंह नेताजी की 8वीं पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि कार्यक्रम का आयोजन उनके पैतृक गांव ढाणी मामराज तन कांवी में किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि विधायक ओमप्रकाश यादव रहे। विशिष्ट अतिथि नगर परिषद की चेयरपर्सन कमलेश सैनी रही, जबकि अध्यक्षता पूर्व सरपंच रामनिवास धौलेड़ा ने की। विभिन्न वक्ताओं ने स्वर्गीय राव उदयसिंह नेताजी द्वारा किए गए सामाजिक कार्यों पर प्रकाश डाला। नेताजी हमेशा दूसरों की सहायता करने के लिए तैयार रहते थे। कार्यक्रम में नेताजी के सुपुत्रों राव राजपाल नेताजी व राव राकेश प्रवक्ता ने कांवी, खानपुर, मूलौदी, ढाणी बाठोठा एवं मेघोत स्कूल के 36 विद्यार्थियों को मिल्टन कंपनी का टिफिन एवं थर्मस देकर सम्मानित किया। साथ ही दोनों सुपुत्रों ने 30 वरिष्ठ नागरिकों को लोई उढ़ाकर उन्हें सम्मानित किया। उन्होंने यादव सभा को 11 हजार रुपये तथा अंध विद्यालय नारनौल को पांच हजार रुपये दान के रूप में भी दिए। कार्यक्रम में भाजपा के पूर्व जिलाध्यक्ष दयाराम यादव, जिला उपाध्यक्ष वासुदेव यादव, पूर्व कमिश्नर मानसिंह यादव, नित्यानंद सरपंच, हैडमास्टर रामचंद्र, मा. ओमप्रकाश आर्य, प्राचार्य महीपाल सिंह डाडैया, रोशन लाल प्रवक्ता, कर्णसिंह प्रवक्ता, सूबेदार महेंद्र सिंह बडेसरा आदि मौजूद रहे। कार्यक्रम का संचालन डा. मुकेश एवं फतेह सिंह प्रवक्ता ने किया।

अबीर गुलाल का तिलक लगाकर किया फाल्गुन का स्वागत

सखी सहेली परिवार ने फाल्गुन के गीतों के साथ मनाया फाग महोत्सव

राधा-कृष्ण की सुंदर झांकी सजाकर भगवान लड्डू गोपाल संग राधा रानी व गोपियों को रिझाया

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौल

नारनौल। होली पर्व मनाती महिलाएं। फोटो : हरिभूमि

फाल्गुन माह शुरू होते ही फाल्गुन के गीतों व रंगों की भी शुरुआत हो जाती है। सखी सहेली परिवार की ओर से सदस्य मोनिका शर्मा की पुत्री परी के जन्मदिन के अवसर पर फाग महोत्सव का आयोजन चांदुवाड़ा मोहल्ले में किया गया। फाग उत्सव के मुख्य यजमान रमेश शर्मा व प्रेम देवी शर्मा रहे। जिसमें सखी सहेली परिवार की सभी महिलाओं ने विधिविधान पूर्वक पूजा अर्चना करते हुए गणेश वंदना के पश्चात लड्डू गोपाल के साथ फूलों की होली खेलकर फाग उत्सव का शुभारंभ किया। फाग महोत्सव में महिलाओं ने फाल्गुन के मंगल गीत गाए तथा एक दूसरे को अबीर गुलाल का तिलक लगाकर फाल्गुन का स्वागत किया।

सखी सहेली परिवार की वरिष्ठ सदस्यों ने फाल्गुन के उमंग भरे गीतों से कार्यक्रम में चार चांद लगा दिए। इनके गाए बृज मंडल देस दिखा दे रसिया, छिटकन दे केश भंवर काला, राजा बल के दरबार मची रे होली व सारो नगर भीज रहयो रंग में, कानुडो रंग डाल गयो, रंग मत डारे रे, माने कोनी रे जसोदा, म्हारी चुनड़ कर दी लाल आदि जैसे मनभावन गीतों पर सभी महिलाओं ने झूमते नाचते हुए फूलों की होली खेलकर महोत्सव का आनंद लिया। सखी सहेली परिवार की सारिका गर्ग व रेखा संघी ने राधा-कृष्ण की सुंदर झांकी सजाकर भगवान लड्डू गोपाल संग राधा रानी व गोपियों को रिझाया।

सरिता जैन ने फाग उत्सव के बारे में जानकारी दी

सखी सहेली परिवार कि वरिष्ठ सदस्या सरिता जैन ने सभी महिलाओं को फाग उत्सव के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि फाल्गुन माह के आरंभ के साथ ही भगवान श्रीकृष्ण गोपियों संग रासलीला रचाते थे और पूरे माह प्रतिदिन अलग अलग क्षेत्र की गोपियों संग फूलों की, पानी की, अबीर गुलाल, कोड़े मार और कभी लठ्ठ मार होली खेलकर रासलीला का आनंद लेते थे। जिसके बाद होली के दिन होलिका दहन के उपरांत दुल्हंडी पर रंगों की होली के साथ फाग उत्सव का समापन होता है।

इनकी रही उपस्थिति

इस मौके पर प्रेम देवी, रमेश चंद शर्मा, मोहित शर्मा, मोनिका शर्मा, महक शुक्ला, अंजली शुक्ला, सारिका गर्ग, सरिता जैन, श्वेता जैन, आरती बोहरा, तरुणा बोहरा, नीलम कालरा, रचना अग्रवाल, रेखा संघी, अंजली कालरा, नीरू संघी, नेहा गोयल, अर्चना बोहरा, सावित्री शर्मा, चमन हरित, पूनम जैन, दीपिका यादव, अनुजा, ज्योति आदि मौजूद रहे।

खबर संक्षेप

बीआर ज्ञानदीप के विद्यार्थियों ने बढ़ाया मान

महेंद्रगढ़। राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के उपलक्ष्य में हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय परिसर में आयोजित राष्ट्रीय स्तरीय प्रतियोगिता में बीआर ज्ञानदीप विद्यालय के विद्यार्थियों ने उल्लेखनीय सफलता प्राप्त कर विद्यालय, क्षेत्र एवं प्रदेश का नाम रोशन किया। आयोजित भारत को जानो प्रतियोगिता में विद्यालय के प्रतिभाशाली छात्र हिमांशु ने प्रथम स्थान प्राप्त कर राष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा का परचम लहराया। वहीं अपशिष्ट से श्रेष्ठ विज्ञान मॉडल प्रतियोगिता में छात्रा ऋतु ने तृतीय स्थान अर्जित कर अपनी वैज्ञानिक सोच, नवाचार क्षमता और रचनात्मक दृष्टिकोण का प्रभावशाली परिचय दिया। इसी क्रम में पेंटिंग प्रतियोगिता में छात्र नक्श ने द्वितीय स्थान प्राप्त कर अपनी कलात्मक दक्षता से सभी का ध्यान आकर्षित किया।

हरियाणा स्कूल में प्रतिभा सम्मान समारोह आयोजित

नारनौल। नांगल चौधरी रोड स्थित हरियाणा पब्लिक स्कूल में प्रथम ऑल इंडिया ब्रेन लीग फेस 2 परीक्षा का पुरस्कार वितरण समारोह आयोजित किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि मेजर जनरल अरविंद यादव उपस्थित रहे, जबकि विशिष्ट अतिथि संस्था की एमडी निधि वर्मा व निर्देशक पुष्करमल वर्मा थे। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि, विद्यालय प्राचार्य सुनील यादव व डीन मनोज भारद्वाज ने मां सरस्वती के चित्र के समक्ष दीप प्रज्ज्वलन कर किया। कक्षा पहली से 10वीं तक के फेस 2 परीक्षा के विजेताओं को कक्षा वार साइकिल, एलईडी, राइटिंग पैड, स्टडी टेबल, स्कूल बैग व वॉटर बॉटल देकर सम्मानित किया गया। संस्था के एमडी डॉ. हितेश वर्मा व निधि वर्मा ने बताया कि ऑल इंडिया ब्रेन लीग का मुख्य उद्देश्य उन प्रतिभाशाली विद्यार्थियों की पहचान करना है, जिनमें भविष्य में उत्कृष्ट उपलब्धियां हासिल करने की अपार क्षमता है। प्राचार्य सुनील यादव व डीन मनोज भारद्वाज ने कहा कि इस प्रकार की प्रतियोगी परीक्षाएं विद्यार्थियों में स्वस्थ प्रतिस्पर्धा, आत्मविश्वास व स्वतंत्र सोच को विकसित करती हैं।

टैगोर स्कूल ने सैनिक स्कूल प्रवेश परीक्षा में रचा इतिहास

महेंद्रगढ़। टैगोर सीनियर सेकेंडरी स्कूल के लिए इस वर्ष सैनिक स्कूल प्रवेश परीक्षा ऐतिहासिक उपलब्धि लेकर आई है। विद्यालय के कुल 189 विद्यार्थियों ने सफलता प्राप्त कर स्कूल एवं क्षेत्र का नाम रोशन किया है। इतनी बड़ी संख्या में विद्यार्थियों का चयन विद्यालय की मजबूत शैक्षणिक व्यवस्था, अनुशासन एवं निरंतर अभ्यास का प्रमाण है। कक्षा पांचवीं सैनिक स्कूल परीक्षा में अनमोल, अश्विक सिंह, भविष्य, दक्षित, दिशांक, हर्ष यादव, हीना, जीतेश, खुशाल, कुनाल, लाव्या, मलाई, मनु आर्या, पार्थ खोला, प्रतीक यादव, प्रिंस, पुरव राव, पूर्वी, तनुज, तरुण कुमार, विधि, शिवांश, हर्षित, दीक्षिता, हिमांशु, सिद्धार्थ, दिव्यांश, पार्थिक, अंशु, छवि, देव यादव, हानि यादव, हार्दिक, माणिक यादव, मनमीत, निहारिका, निर्वी, प्रशांत सिंह, तनीष कुमार, तन्वी, यश यादव, मोक्ष, सागर, रोनक, रोजिता, लक्की, भाव्या, दीवेन, कुमलम, दिपेश, दिपेन, सोनम एवं मायंक सहित अनेक विद्यार्थियों ने सफलता प्राप्त की।

ब्रिलिएंट में पारितोषिक वितरण समारोह आयोजित

कनीना। गांव धनौंदा स्थित ब्रिलिएंट वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में वार्षिकोत्सव एवं पारितोषिक वितरण समारोह आयोजित किया गया। इसमें खेल, शिक्षा, कृषि, चिकित्सा व समाजसेवा के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान देने वाले चार लोगों को पुष्पा देवी मेमोरियल लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड तथा प्रेरणादायक उपलब्धि प्राप्त करने वाले चार लोगों को को पुष्पा देवी मेमोरियल एक्स्ट्रा ऑर्डिनरी अचीवमेंट अवार्ड से सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में प्रमुख समाजसेवी नेता अतरलाल एडवोकेट ने मुख्य अतिथि के तौर पर शिरकत की। कार्यक्रम की अध्यक्षता राष्ट्रपति अवार्ड से सम्मानित सेवानिवृत्ति कैप्टन ओमपाल सिंह तंवर ने की। मुख्य अतिथि नेता अतरलाल ने अन्य गणमान्य अतिथियों के साथ मां सरस्वती तथा विद्यालय की संस्थापक प्रिंसिपल स्वर्गीय पुष्पा देवी के चित्र के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम की शुरुआत की।

राव जयराम के छात्रों ने सैनिक स्कूल में मचाई धूम

महेंद्रगढ़। राव जयराम स्कूल के अनेक छात्रों ने देश की प्रतिष्ठित सैनिक स्कूल प्रवेश परीक्षा में शानदार सफलता प्राप्त कर न केवल अपने परिवार और शिक्षकों का मान बढ़ाया है, बल्कि पूरे क्षेत्र का नाम भी रोशन किया है। छात्रों की इस उपलब्धि से विद्यालय परिसर में उत्सव जैसा माहौल बना हुआ है। गौरतलब है कि सैनिक स्कूलों में प्रवेश के लिए आयोजित परीक्षा देशभर में अत्यंत प्रतिस्पर्धी मानी जाती है। रक्षा मंत्रालय, भारत सरकार के अंतर्गत कार्यरत है। इन विद्यालयों का उद्देश्य विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के साथ-साथ अनुशासन, नेतृत्व क्षमता और देशभक्ति की भावना से ओत-प्रोत करना है, ताकि वे भविष्य में सशस्त्र बलों में अधिकारी के रूप में योगदान दे सकें।

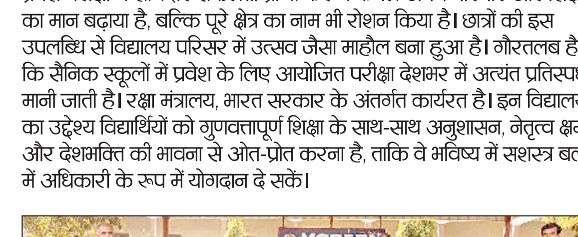

मॉडर्न स्कूल की छात्रा कंचन ने पाया तृतीय स्थान

महेंद्रगढ़। केंवि जाट पाली में गत 27 फरवरी को आयोजित विभिन्न प्रतियोगिता में मॉडर्न सीनियर सेकेंडरी स्कूल की छात्रा कंचन पुत्री जितेंद्र कुमार ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए स्पीच प्रतियोगिता में तृतीय स्थान प्राप्त कर विद्यालय के साथ-साथ पूरे पूरे क्षेत्र का नाम रोशन किया है। प्राचार्य प्रदीप कुमार तंवर ने बताया विश्वविद्यालय परिसर में आयोजित इस कार्यक्रम में क्षेत्र के अनेक विद्यालयों और महाविद्यालयों के विद्यार्थियों ने भाग लिया। प्रतियोगिता का उद्देश्य विद्यार्थियों की बौद्धिक क्षमता, अभिव्यक्ति कौशल और आत्मविश्वास को प्रोत्साहित करना था। स्पीच प्रतियोगिता में प्रतिभागियों ने विभिन्न समसामयिक और सामाजिक विषयों पर अपने विचार प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किए।

केंद्रीय विवि में विज्ञान दिवस पर टैगोर स्कूल ने लहराया परचम

महेंद्रगढ़। सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ हरियाणा में विज्ञान दिवस पर आयोजित विभिन्न शैक्षणिक एवं वैज्ञानिक प्रतियोगिता में टैगोर स्कूल के विद्यार्थियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। कार्यक्रम में जिलेभर के अनेक विद्यालयों ने भाग लिया, जिसमें विद्यार्थियों ने अपनी प्रतिभा, वैज्ञानिक सोच और प्रस्तुतीकरण क्षमता का प्रदर्शन किया। भाषण प्रतियोगिता में विद्यालय की छात्रा हिमांशी ने विज्ञान के महत्व और उसके सामाजिक प्रभाव पर प्रभावशाली, तार्किक एवं आत्मविश्वासपूर्ण वक्तव्य प्रस्तुत कर प्रथम स्थान प्राप्त किया।

मार्च में सक्रिय होंगे 5-6 पश्चिमी विक्षोभ, तेज हवाओं के साथ हल्की बारिश व बूंदाबांदी की संभावना

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

जिले में धीरे-धीरे गर्मी ने अपने पैर पसारने शुरू कर दिए है। सम्पूर्ण इलाके में तापमान में उछाल देखने को मिल रहा है। हालांकि सुबह के समय भीनी ठंड की खुशबू का अहसास जारी है। मौसम विभाग के अनुसार आने वाले दिनों में हरियाणा एनसीआर दिल्ली में गर्मी अपने तीखे तेवरों से आगाज करेंगी। बता दें कि फरवरी महीने में मौसम में लगातार बदलाव देखने को मिला तथा दिन व रात के तापमान सामान्य से अधिक बने रहे। मार्च महीने में भी मौसम में उलटफेर देखने को मिलेगा। मार्च में कुल 5-6 पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय होंगे। यानी मार्च महीने में प्रत्येक सप्ताह में एक पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय होगा। इन पश्चिमी विक्षोभों में से तीन पश्चिमी विक्षोभों से तेज गति की हवाओं के साथ हरियाणा एनसीआर दिल्ली में हल्की बारिश व बूंदाबांदी की गतिविधियों की संभावना है। जिनकी वजह से मार्च महीने में मौसम में बदलाव व तापमान में उतार चढ़ाव देखने को मिलेगा।

मार्च महीने में पहले पखवाड़े के पहले सप्ताह में तापमान में बढ़ोतरी देखने को मिलेगी व दूसरे सप्ताह में आठ-नौ मार्च को सक्रिय पश्चिमी मौसम प्रणाली से तापमान में गिरावट देखने को मिलेगी, जबकि दूसरे पखवाड़े में तापमान में उतार चढ़ाव देखने को मिलेगा। भारतीय मौसम विभाग के अनुसार दिन के तापमान सामान्य से अधिक, जबकि रात्रि तापमान सामान्य व सामान्य से नीचे बने रहेंगे, जबकि मार्च महीने में पश्चिमी व दक्षिणी हिस्सों में सामान्य से अधिक, जबकि उत्तरी व पूर्वी हिस्सों में सामान्य तथा सामान्य से कम बारिश की संभावना है। वर्तमान में एक ऊपरी हवा का चक्रवातीय परिसंचरण पश्चिमी राजस्थान व निकटवर्ती क्षेत्र में माध्य समुद्र तल से 1.5 किमी की ऊंचाई पर सक्रिय है। साथ ही एक टर्फ, उपर्युक्त पश्चिमी राजस्थान व निकटवर्ती क्षेत्र में सक्रिय ऊपरी हवा का चक्रवातीय परिसंचरण से लेकर पश्चिम मध्य प्रदेश होते हुए विदर्भ तक माध्य समुद्र तल से 0.9 किमी की ऊंचाई पर विस्तृत है। इसके अलावा उत्तर-पश्चिम भारत के ऊपर माध्य समुद्र तल से 12.6 किमी की ऊंचाई पर लगभग 222 किमी प्रति घंटे की गति से उपोष्ण पश्चिमी जेट स्ट्रीम हवाएं बह रही है। इसके अलावा एक नया पश्चिमी विक्षोभ चार मार्च रात से पश्चिमी हिमालयी क्षेत्र को प्रभावित करने की संभावना है। हालांकि इस मौसम प्रणाली से हरियाणा एनसीआर दिल्ली में बादलवाही देखने को मिलेगा।

जिले में मौसम का मिजाज

मौसम विशेषज्ञ डॉ. चन्द्र मोहन ने बताया कि जिला महेंद्रगढ़ में दिन व रात का तापमान क्रमशः 32.5 डिग्री व 14.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। जिले में दिन व रात के तापमान सामान्य से अधिक बने हुए हैं। मार्च महीने के पहले सप्ताह में उत्तर-पश्चिम व मध्य भारत के मैदानी इलाकों विशेषकर हरियाणा एनसीआर दिल्ली में ज्यादा से ज्यादा तापमान में धीरे-धीरे 2-5 डिग्री सेल्सियस की बढ़ोतरी हो सकती है। इसके बाद कोई खास बदलाव नहीं होगा। इसलिए इस हफ्ते उत्तर-पश्चिम भारत के कई हिस्सों में तापमान सामान्य से 3-5 डिग्री सेल्सियस तापमान ज्यादा रहने की संभावना है।

वरिष्ठ नागरिक संगठन ने हर्षोल्लास से मनाया होली मिलन समारोह

नारनौल। किला रोड स्थित साध्वी बहन मिश्री देवी आश्रम में वरिष्ठ नागरिक संगठन के सदस्यों ने एक-दूसरे सदस्य को चन्दन तिलक लगाकर होली पर्व बड़े हर्षोल्लास से मनाया। इस अवसर पर पूर्व प्राचार्य जयप्रकाश कौशिक ने कविता पाठ किया, जिसके माध्यम से उन्होंने इस पर्व पर एक-दूसरे के दिल मिलना बताया। संगठन के संरक्षक अजीत जैन ने कहा कि होली पर्व हिन्दुओं का एक पारम्परिक त्योहार है, जिसमें अमीर-गरीब का कोई भेदभाव नहीं होता। इस दिन सभी वर्ग आपस में मिलकर एक-दूसरे को रंग लगाकर खुशी का इजहार करते हैं। संगठन के प्रधान ने इस पर्व को बुराई पर अच्छाई की जीत बताया। उन्होंने इस पर्व पर युवाओं से आह्वान किया कि वे नशे जैसी बुराई से दूर रहकर अच्छे रास्ते पर चलकर एक अच्छे समाज का निर्माण करें। आज के इस मिलन समारोह में विजय रहीश, मुखराम सैनी, शिवहरि अग्रवाल, अजीत प्रकाश जैन, एसएल चौहान, भागीरथ प्रसाद, सुरेश जांगिड़, मास्टर जयदयाल, रविन्द्र कुमार चौधरी, बिशन सिंह यादव, बद्रीप्रसाद गर्ग, रामजीलाल मित्तल, रोहतास सिह लाम्बा, सूबेदार दलीप सिंह, शिवलाल वर्मा, हरिद्वारीलाल वर्मा, जयप्रकाश कौशिक, परमानन्द दिवान, राजकुमार चौधरी, बालकिशन सैनी, ओमप्रकाश बत्रा, रामबिलास यादव, गणेश हरित और यादराम सैनी आदि उपस्थित रहे।

दोस्तपुर में युवक पर जानलेवा हमला, घर में घुसकर की तोड़फोड़

पीड़ित का आरोप : अवैध खनन का विरोध करने पर किया हमला

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

नारनौल। थाना नांगल चौधरी।

नांगल चौधरी थाना क्षेत्र के गांव दोस्तपुर में एक युवक पर जानलेवा हमला करने व घर में घुसकर तोड़फोड़ करने का मामला सामने आया है। पीड़ित ने आरोप लगाया कि अवैध खनन का विरोध करने के चलते उस पर तथा उसके साथियों पर हमला किया गया। पीड़ित नितिन कुमार ने थाना नांगल चौधरी में दी शिकायत में बताया कि वह अपने साथी बबरुभान व दीपक के साथ थाने में एक शिकायत देकर वापस गांव लौट रहे थे। गांव की सीमा में आरोपित धर्मेंद्र ने बाइक लगाकर उनकी गाड़ी का रास्ता रोक लिया।

आरोप है कि धर्मेंद्र हाथ में कुल्हाड़ी लेकर गाली गलौज करते हुए गाड़ी के पास आया और बबरुभान पर वार किया। खिड़की बंद होने से वार सीधे नहीं लग सका। जिसके बाद आरोपित ने गाड़ी पर कुल्हाड़ी से हमला कर दिया। जान बचाने के लिए वे वहां से गाड़ी लेकर निकल गए। इसके बाद वे अपने मकान में जाकर अंदर से दरवाजा बंद कर बैठ गए। कुछ देर बाद तीन बाइकों पर सवार सात से सात से आठ लोग वहां पहुंचे तथा गालियां देते हुए बाहर निकलने को कहने लगे। आरोप है कि आरोपितों ने कुल्हाड़ी, लोहे की रॉड व अन्य हथियारों से दरवाजा तोड़कर घर में घुसकर हमला कर दिया। शिकायतकर्ता मनोज वासी पटीकरा ने बताया कि 14 जनवरी 2025 की शाम को उसका लगन समारोह था। उस दिन कमल व उसके अन्य सात से आठ साथी कार्यक्रम में आए और कार्यकम को बिगाड़ने की नीयत से जानबूझकर बिना किसी कारण झगड़ा किया।

इसके बाद 16 अप्रैल 2025 को वह रात्रि करीब 10 बजे अपने तीन साथियों के सहित खेतों के साथ साथ सड़क से कादीपुरी की तरफ टहलता हुआ घर की तरफ लौटकर आ रहा था, तब बदमाश तीन मोटरसाइकिलों पर लोहे की राड, लोहे के पाइप व सरिए, मोटरसाइकिल की चैन व लोहे की रॉड पर मोटरसाइकिल का चक्का लगा हुआ व लाठीतथा डंडों से लैस होकर आए और उस पर हमला कर दिया। जिससे उसके सिर, पैर, कमर, हाथ पर चोटें मारी।

युवक पर जानलेवा हमले के मामले में आरोपित गिरफ्तार

नारनौल। आपसी रंजिश के चलते जान से मारने की नियत से रॉड, सरिए, लाठी, डंडों से हमला कर चोटें मारने के मामले में कार्रवाई करते हुए थाना शहर पुलिस ने एक और आरोपित को गिरफ्तार किया है। जिसकी पहचान पटीकरा निवासी जतिन के रूप में हुई है। आरोपित से पूछताछ कर न्यायालय में पेश कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। इस मामले में सात आरोपितों को पुलिस ने पहले गिरफ्तार कर लिया था।

जानलेवा हमला करने के मामले में दो और आरोपित गिरफ्तार

नारनौल। थाना शहर पुलिस ने नसीबपुर बस स्टैंड पर एक युवक पर हुए जानलेवा हमले के मामले में कड़ी कार्रवाई करते हुए दो और आरोपितों को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। गिरफ्तार किए गए आरोपितों की पहचान नसीबपुर निवासी राहुल व अमित के रूप में हुई है। पुलिस ने इनके कब्जे से वारदात में इस्तेमाल किया गया सुआ भी बरामद कर लिया है। पुलिस इस मामले में तीन अन्य आरोपितों को पहले ही गिरफ्तार कर चुकी है, जिनके पास से वारदात में प्रयुक्त गाड़ी और एक अन्य सुआ बरामद किया गया था।

आरोपितों ने शिकायतकर्ता के साथ बुरी तरह मारपीट की

शिकायतकर्ता नांगतिहाड़ी निवासी दिलबाग उसके दोस्त की नसीबपुर बस स्टैंड स्थित दुकान पर बैठा था। इसी दौरान एक स्कार्पियो गाड़ी व एक बिना नंबर की बाइक से आरोपित वहां पहुंचे तथा जबरन दुकान में घुसकर शिकायतकर्ता को घेर लिया। आरोपितों ने शिकायतकर्ता के साथ बुरी तरह मारपीट की और जान से मारने की नीयत से उस पर सुए से गर्दन व पीठ पर ताबड़तोड़ वार किए। वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपित पीड़ित की जेब से रुपये भी छीन कर ले गए।

स्वास्थ्य मंत्री और केंद्रीय राज्य मंत्री के नाम की जलाएंगे होली

महेंद्रगढ़। डाहल बिड़कले बनाते हुए। फोटो : हरिभूमि

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

शहर के चौधरी रणबीर सिंह हुड्डा में स्वास्थ्य मंत्री आरती राव एवं केंद्रीय मंत्री इंद्रजीत के नाम से गाय के गोबर से डाहल और बिड़कले बनाए गए, जो की होली के शुभ अवसर पर उनकों नाम सहित जलाया जाएगा। यह बात पूर्व में महेंद्रगढ़ विधानसभा प्रत्याशी बलवान फौजी ने कही। रविवार को उनके नाम के साथ बिड़कले और डाहल बनाए गए। यह मेडिकल कॉलेज कोरियावास में तैनात सुरक्षा कर्मियों जो की होमगार्ड है, उनकी अक्टूबर महीने से तनख्वाह नहीं मिलने के लिए यह विरोध प्रदर्शन किया जाएगा है। बलवान फौजी ने कहा कि त्यौहार का समय है और जो 20 से 25 हजार रुपये कमाने वाला गरीब व्यक्ति अगर पांच-पांच महीने तनख्वाह नहीं दी जा सकती है, तो यह सरकार की अनदेखी का सबसे बड़ा सबूत है। उन्होंने बताया कि पूरे हरियाणा प्रदेश की होमगार्ड की सैलरी होम मिनिस्टर के माध्यम से जो सरकार के नियम के आधार पर दी जा चुकी है, परंतु मेडिकल कॉलेज में स्वास्थ्य मंत्री आरती राव अपने निजी राजनीतिक फायदे के लिए और भाजपा की आपस की कलह की वजह से उन गरीब लोगों को नुकसान पहुंचाया जा रहा है। वैसे तो मेडिकल कॉलेज के भी बड़े बुरा हाल हैं, परंतु त्यौहार के टाइम पर सैलरी अगर होली दहन से पहले हो जाती है तो हम इन नाम के बिड़कले और डाहल को नहीं जलाने का काम करेंगे।

ये रहे मौजूद

इस मौके पर थानेदार अश्वनी कुमार, पूर्व सरपंच मालाराम, सूबेदार जगदेव फौजी, हवलदार राकेश नायक, सतबीर, कैलाश चंद फौजी, दीपक फौजी, संदीप इंजीनियर शास्त्री, मुख्तार सिंह, वारंट ऑफिसर राम भगत यादव, अशोक फौजी, रामावतार फौजी, ओमप्रकाश फौजी, संदीप फौजी, अशोक, छोटेलाल अन्य लोग शामिल रहे।